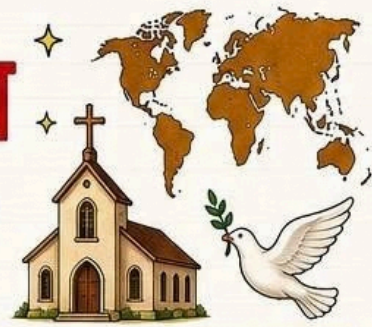
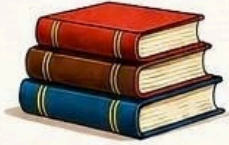




www.championsbooks.shop

परिभाषा : ईसाई धर्म की स्थापना यीशु मसीह ने की, जो प्रेम, करुणा, क्षमा और ईश्वर में विश्वास का संदेश देते थे। यह धर्म पहली शताब्दी ई० में यहूदी समाज से उत्पन्न हुआ।

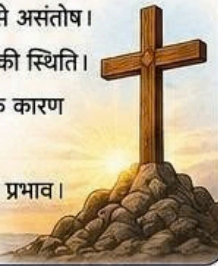
ईसाई धर्म की मुख्य विशेषताएँ

- ★ एकेश्वरवाद में विश्वास (एक ईश्वर)
- ★ प्रेम, क्षमा और दया का उपदेश
- ★ सभी मनुष्यों की समानता का विचार
- ★ गरीबों, रोगियों और कमजोरों की सेवा
- ★ पापों से मुक्ति और मोक्ष का मार्ग
- ★ प्रार्थना, विश्वास और सदाचार पर बल



ईसाई धर्म के उदय के प्रमुख कारण

- यहूदी धर्म के कठोर नियमों और कर्मकांड से असंतोष।
- सामाजिक असमानता, गरीबी और अन्याय की स्थिति।
- रोम साम्राज्य में शांति (Pax Romana) के कारण विचारों का प्रसार आसान हुआ।
- ईसा मसीह के प्रेम, दया और चमत्कारों का प्रभाव।
- सरल और मानवतावादी शिक्षाएँ।



ईसाई धर्म की मुख्य शिक्षाएँ

- ईश्वर एक है और वह प्रेम है।
- अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।
- क्षमा करना और दया करना चाहिए।
- पापों से मुक्ति के लिए ईसा मसीह पर विश्वास।
- सत्य, शांति और सदाचार का पालन करो।



ईसाई धर्म का प्रसार

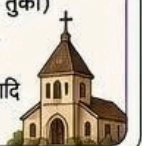


- प्रेरितों (Apostles) ने ईसा के उपदेशों का प्रचार किया।
- पॉलस (Saint Paul) ने गैर-यहूदियों में ईसाई धर्म का व्यापक प्रचार किया।
- रोम साम्राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में यह धर्म तेजी से फैला।



प्रमुख क्षेत्र जहाँ ईसाई धर्म फैला

- रोम साम्राज्य का यूरोप क्षेत्र
- एशिया माइनर (वर्तमान तुर्की)
- मिस्र और उत्तर अफ्रीका
- ग्रीस, सीरिया, पालेस्टीन आदि



ईसाई धर्म से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

1. यीशु मसीह

ईसाई धर्म के संस्थापक, जिनका जन्म बेथलेहम (यहूदिया) में हुआ।



2. पवित्र ग्रंथ

बाइबिल ईसाई धर्म का पवित्र ग्रंथ है, जिसमें पुराना और नया नियम शामिल हैं।



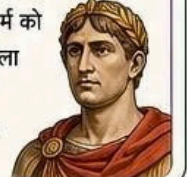
3. प्रारम्भिक ईसाई समाज

प्रेम, भाईचारे और सामूहिक जीवन पर आधारित एक आदर्श समाज।



4. रोमन सम्राट कॉन्स्टैंटाइन

313 ई. में ईसाई धर्म को वैध मान्यता देने वाला पहला रोमन सम्राट (मिलान की संधि)।



★ ईसाई धर्म का मूल संदेश – प्रेम, क्षमा और सेवा – आज भी संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणा है। ★